ये अव्यक्त इशारे

सर्व प्राप्ति सम्पन्न बेगमपुर के बेफिक्र बादशाह बनो

18-03-2024

बेगमपुर का बादशाह अर्थात् सर्व खुशियों के खजाने का मालिक। खुशियों का खजाना ब्राह्मणों का जन्मसिद्ध अधिकार है, इस अधिकार के कारण ही आज श्रेष्ठ आत्माओं के नाम और रूप का सत्कार होता रहता है। ऐसे बेगमपुर के बादशाह, जिन्हों का नाम लेने से ही अनेक आत्माओं के अल्पकाल के लिए दुःख दूर हो जाते हैं, जिनके चित्रों को देखते चरित्रों का गायन करते हैं और दुःखी आत्मा खुशी का अनुभव करने लगती, ऐसे चैतन्य आप स्वयं बेगमपुर के बादशाह हो।

Become a carefree emperor of the land without sorrow by being full with all attainments.

An emperor of the land without sorrow means to be a master of the treasures of all happiness. The treasure of happiness is a birthright of Brahmins, and it is because of this right that there is respect for the name and form of elevated souls today. By taking the name of such emperors of the land without sorrow, the temporary sorrow of many souls is removed. And seeing their images they begin to sing praise of their activities, and souls who are unhappy begin to experience happiness. You are such living emperors of the land without sorrow.